समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझ करें: सिंह

डब्ल्यूआईटी ने यूटीयू के कैम्पस संस्थान के रूप में शुरू की अपनी नयी यात्रा।

कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में 60 की क्षमता को 120 सीटें किये जाने का प्रस्ताव।

छत्राओं के अनुरोध पर कॉलेज में एन0सी0सी यूनिट स्थापित करने का निर्णय।

छत्र-शिक्षक अपने आइडियाज, क्रिएटिविटी को विश्वविद्यालय से साझा करें।

देहरादून। छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्राप्ति के उद्देश्यों को समझाना होगा।मात्र नौकरी प्राप्ति हेतु शिक्षा ग्रहण करने की बजाय अपनी जिम्मेदारी का अहसास करते हुए अपने हितों के साथ-साथ, प्रदेश-देश और समाज के लिए सकारात्मक दिशा में कुछ नयेप्रयोग करने के लक्ष्य तय करने होंगे। यह बात वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय यूटीयू के कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कैम्पस कॉलेज ''महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून'' में कॉलेज की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहीं। कुलपति ने इस दौरान छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपनी जा रही ऑनलाईन परीक्षा प्रणाली यथा- ऑनलाईन प्रश्न पत्रों को केन्द्रों तक भेजने की व्यवस्था, ऑनलाईन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन प्रक्रिया व परीक्षा परिणाम घोषित होने से पहले ऑनस्क्रीन मूल्यंकित उत्तर पुस्तिकाएं देखने की व्यवस्था से छात्राए खुश नजर आयीं तथा कुछ-एक खामियों से संबंधित फीडबैक कुलपति को दिये। जिसे कुलपति द्वारा आगामी सेमेस्टर में और अच्छा सुधार किये जाने का आश्वासन छात्राओं को दिया गया।

संवाद के दौरान छात्राओं ने कॉलेज में एनसीसी यूनिट स्थापित किये जाने का अनुरोध किया जिसे कुलपति द्वारा सहमति देते हुए इस संबंध में निदेशक को कार्यवाही किये जाने को निर्देशित किया। तथा खेल से संबंधित यथा-बैड़मिनट, बॉस्केटबॉल इत्यादि इण्डोर खेलों की व्यवस्था किये जाने के आग्रह पर कुलपति द्वारा कहा गया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यवाही की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के ऊपर 9 मई, से 5 कैम्पस कॉलेजों के संचालन का जो दायित्व आया है उनमें से महिला प्रौद्योगिकी संस्थान भी एक है जिसे विश्वविद्यालय का कैम्पस संस्थान बनाया गया है। प्रदेश का एक मात्र महिला इंजीनियरिंग कॉलेज जो 9 मई, 2023 से अपनी नयी यात्रा पर चल निकला है। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक प्रो0 आरपीएस गंगवार ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों को एक अच्छे, मार्गशक मिले हैं जिन्होंने विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली को नये ढांचे में ढाल कर पारदर्शी तरीके से कार्य करने का काम कर रहें है। इसके साथ ही निदेशक द्वारा कॉलेज में बीटैक कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में 60 सीटों की क्षमता को बढ़ाकर 120 सीटों की वृद्धि किये जाने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय दिया गया है। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी, छात्राएं सभी उपस्थिति रहीं।